

## Choice Based Credit System Syllabus

2022-2023

M. A. I - SANSKRIT(CBCS)-वाङ्मय-पारङ्गत-संस्कृतम्

Semester II .द्वितीयसत्रम्- (Compulsory)

Core- MSNS2T01 प्रथमप्रश्नपत्रम्

Paper-1- वैदिकसाहित्यम् –Vedic Literature

पूर्णाङ्गका: – 100

लिखितपरीक्षाङ्गका: – 80

आन्तरिकमूल्यमापनाङ्गका: 20

### Vedic Literature

**Paper objectives:** This paper coverd the history of the veda's parts and as well as Vedangas.

**Learning Outcomes :** Studentunderstand about the importance of Vedas. Nirukta is one part of the vedangas.

वैदिकसाहित्यम्

1—ऐतरिय आरण्यक—अध्याय 1,खण्ड 1-4

2—बृहदारण्यकोपनिषद्—याज्ञवल्क्य—मैत्रेयीसंवादः  
निरुक्तम्

3—निरुक्तम्—अध्यायः 1

4—निरुक्तम्—अध्यायः 2

उपरोक्तघटकाश्रित्यवस्तुनिष्ठप्रश्ना:

### संदर्भग्रन्थाःReference Books

1 उपनिषद् — रामकृष्ण मठ, नागपूर

2 बृहदारण्यकोपनिषद् — मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन,दिल्ली

3 संस्कृत साहित्याचा इतिहास — डॉ. सिधू डांगे,मंगल प्रकाशन,नागपूर

4 ब्राह्मणग्रंथों में राजनीतिक सिद्धान्त—बलवीरआचार्य,चौखम्बाप्रकाशन,दिल्ली

5 निरुक्तम् — उमाशंकर शर्मा — 'ऋषि', चौखम्बाप्रकाशन, वाराणसी

6 बृहदारण्यकोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपूर

7 बृहदारण्यकोपनिषद्—एकअध्ययन—मनुदेवबन्धु,भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली

8—ऐतरिय आरण्यक—सायणाचार्य विरचित भाश्यसहितम्,आनंदाश्रम गुदणालय,पुणे  
टिप्पणी :प्रश्नानां समाधानं स्वीकृतभाषया करणीयम्।

प्रतिघटकाङ्गकनियोजनम्—दीर्घप्रश्नः=  $10 \times 4 = 40$ , लघुप्रश्नौ  $6 \times 4 = 24$ ,

$8 \times 2 = 16$  अष्टौ वस्तुनिष्ठप्रश्ना : प्रतिघटकानुसारं प्रश्नद्वयम्

## Choice Based Credit System Syllabus

2022-2023

M. A. I - SANSKRIT(CBCS)-वाङ्मय—पारद्गत—संस्कृतम्

### Semester II .द्वितीयसत्रम्- (Compulsory)

Core- MSNS2T02 द्वितीयप्रश्नपत्रम्

### Paper-2-व्याकरणं भाषाविज्ञानं च |—Grammer and Lingeustics

पूर्णांकः 100

लिखितपरीक्षांकः 80

सारांशप्रश्नांकः 20

#### Grammer and Lingeustics-

**Paper objectives:** In history of Indian Grammer, Sanskrit Grammer is the most rich grammer. Linguistics is valueable for the other languages also.

**Learning Outcomes :** Student understand that how to use the rules to creat the word and also how to make the sencentce in Sanskrit.The paper also emphasise the reading and writing.

#### व्याकरणं भाषाविज्ञानं च

1.लघुसिद्धान्तकौमुदी—कृदन्तप्रकरणम्—कृत्यप्रत्यय, तद्वित—मत्तवर्थीय

2.वैद्याकरणसिद्धान्तकौमुदी—कारकप्रकरणम्

#### भाषाविज्ञानम्

3.भाषाविज्ञानम्— प्रवेष, भाषा, भाषाए तथा वर्गीकरण च

4.रूपविज्ञानम्, ध्वनिविज्ञानम्, अर्थविज्ञानम्

उपरोक्तघटकाश्रित्यवस्तुनिष्ठप्रश्नाः

#### संदर्भग्रन्थाः —Reference Books

1 संस्कृत भाषाभास्त्रीय अध्ययन, भोलाषंकर व्यास, चौखम्बा प्रकाषन, वाराणसी

2 भाषाविज्ञान, उदयनारायण तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाषन, दिल्ली

3 भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल पब्लिषर्स, 21 अंसारी रोड, दिल्ली, दिल्ली भास्त्रीय संषोधन पद्धती— डॉ बी. एम. कहाडे, पिंपळापुरे अँण्ड कं. पब्लिषर्स नागपूर

4.संस्कृत भाषाविज्ञानम्—चक्रवर्ती, श्रीरामाधीन चतुर्वेदी, चौखम्बा प्रकाषन, दिल्ली

टिप्पणी :प्रश्नानां समाधानं स्वीकृतमाषया करणीयम्।

प्रतिघटकाङ्कनियोजनम्—दीर्घप्रश्नः  $10 \times 4 = 40$ , लघुप्रश्नौ  $6 \times 4 = 24$ ,

$8 \times 2 = 16$  अष्टौ वस्तुनिष्ठप्रश्ना : प्रतिघटकानुसारं प्रश्नद्वयम्

## Choice Based Credit System Syllabus

2022-2023

M. A. I - SANSKRIT(CBCS)-वाङ्मय-पारंगत-संस्कृतम्

**Semester II द्वितीयसत्रम्- (Compulsory)**

**Elective MSNS2T03 (A)- तृतीयप्रश्नपत्रम्**

**Paper-3.भारतीयदर्शनम्-Indian Philosophy-Tarksangrah**

पूणीड़का: 100

लेखितपरीक्षाड़का: 80

प्रश्नपत्रम्: 20

### Indian Philosophy- Tarksangrah

**Paper objectives:** Indian Philosophy is the knowledge Box to understand the ingredients of the creation of nature.

**Learning Outcomes :** Student cleared the concept of SaptaPadarth i.e. Seven objects.Tarksangrah introduced the design of the Nature.

**भारतीयदर्शनम्**

**तर्कसङ्ग्रहः**

1. न्यायवैषेषिकदर्शनपरिचय
2. अन्नभट्टकृततर्कसङ्ग्रहः-उद्देष-द्रव्य
3. अन्नभट्टकृततर्कसङ्ग्रहः-गुणग्रंथतः चतुर्विधप्रमाणविचारपर्यातम्
2. अन्नभट्टकृततर्कसङ्ग्रहः- षेषग्रंथपर्यातम्

### **संदर्भग्रन्थाः Reference Books**

1. भारतीयदर्शन- वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा प्रकाषन, वाराणसी – 221001
2. अन्नभट्टकृततर्कसङ्ग्रह- मोतीलाल बनारसीदास प्रकाषन, दिल्ली  
टिप्पणी :प्रश्नानां समाधानं स्वीकृतभाष्या करणीयम्।  
प्रतिघटकाड़कनियोजनम्-दीर्घप्रश्नः-  $10 \times 4 = 40$ , लघुप्रश्नौ  $6 \times 4 = 24$ ,  
 $8 \times 2 = 16$  अष्टौ वस्तुनिष्ठप्रश्ना : प्रतिघटकानुसारं प्रश्नद्वयम्

**OR**

## Semester II द्वितीयसत्रम्- (Compulsory)

Elective MSNS2T03(B)- तृतीयप्रश्नपत्रम्

Paper-3.भारतीयदर्शनम्—Indian Philosophy-Vaisheshik-Yogsutram ch

पूर्णाङ्कः - 100

लिखितपरीक्षाङ्कः - 80

आन्तरिकगूत्यगापनाङ्कः-20

**Indian Philosophy** वैशेषिक—योगसूत्रं च

**Paper objectives:** Prashshtapaadbhashyam is related to Vaisheshik sutras. The Yog sutras of pantajali to be one of the foundational texts of classical Yoga philosophy.

**Learning Outcomes :** The Student are understanding the General Introduction of Great Indian Philosophers Nyay,Viasheshik,Yog.

Unit 1 : वैशेषिक सूत्र – अध्याय- 1

Unit 2 : प्रशस्तपादभाष्यम्–परिचयमात्र

Unit 3 : पतंजलिकृतयोगसूत्रम्— पाद 1

Unit4: योगसूत्रभाष्यकाराणांपरिचयमात्र

उपरोक्तघटकाश्रित्यवस्तुनिष्ठप्रश्नाः

### संदर्भग्रन्थाः .Reference Books

- 1 वैशेषिकदर्शन – डॉ. उदय कुमठेकर, प्रसाद प्रकाषन, पुणे
  - 2 प्रशस्तपादभाष्य – चौखम्बा प्रकाषन, वाराणसी.
  - 3 प्रशस्तपादभाष्य – संपूर्णनिंद विष्वविद्यालय, वाराणसी.
  - 4 भारतीयदर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाषन, दिल्ली
  - 5 History of Indian Philosophy, Dasgupta, Vol.1-2, Motilal Banarasidas Publition, Delhi
  - 6 योगसूत्रम् – रामकृष्ण मठ, नागपूर.
  - 7 योगसूत्रप्रदीप – गीताप्रेस, गोरखपुर
  - 8 भारतीय तत्त्वज्ञानाचा बृहद् इतिहास- डॉ. गजानन नारायण जोषी, रारस्वत प्रकाषण, पुणे
  - 9 भारतीय दर्शन संग्रह- ,पं.द.वा.जोग, सदाषिव पेट, पुणे
  - 10 भारतीय दर्शनशास्त्र का इतिहास- डॉ. जयदेव वेदालंकार
- टिप्पणी: टिप्पणी :प्रश्नानां समाधानं स्वीकृतभाष्या करणीयम्।  
प्रतिघटकाङ्कनियोजनम्-दीर्घप्रश्नः=  $10 \times 4 = 40$ , लघुप्रश्नौ  $6 \times 4 = 24$ ,  
 $8 \times 2 = 16$  अष्टौ वस्तुनिष्ठप्रश्नाः प्रतिघटकानुसारं प्रश्नद्वयम्

## Choice Based Credit System Syllabus

2022-2023

M. A. I - SANSKRIT(CBCS)-वाङ्मय-पारद्गत-संस्कृतम्

Semester II द्वितीयसत्रम्- (Compulsory)

Open Elective- MSNS2T04(A) अतुर्थप्रश्नपत्रम्

Paper-4: Kavyashastra-Kavyaprakash

पृष्ठांकः 100

लिखितप्रश्नाङ्कः

80

अतुर्थप्रश्नाङ्कः 20

**Paper objectives** The rules of poetics important part of Sanskrit literature. the 'A student of the kavya-Prakash will find in these works only a re-statement of Mammata's views and opinions', said the Bechan Jha

**Learning Outcomes :** To understand the writing of the poem authours must be desioned the rules of poetics. Student understand the Kavyaprakash's treatments of Rasas ,Doshas.

**काव्यशास्त्रम् :**

1.गमटकृतकाव्यप्रकाशः—उल्लासा 1

2.गमटकृतकाव्यप्रकाशः—उल्लासा 2

3.गमटकृतकाव्यप्रकाशः—उल्लासा 7

4.गमटकृतकाव्यप्रकाशः—उल्लासा 8

उपरोक्ताधटकाश्रित्यवरतुनिष्ठप्रश्नाः

**संदर्भग्रन्थःReference Books**

1.काव्यप्रकाषः—सत्यप्रकाषणसारनी, चौखम्बा प्रकाषन, वाराणसी।

2.संस्कृत साहित्याचा इतिहास—सिंधू डांगे

3.काव्यप्रकाषः—डा.पारसनाथ द्विवेदी,विनोद पुस्तक मंदिर,आग्री।

टिप्पणी :प्रश्नानां समाधानं स्वीकृतभाषया करणीयम्।

प्रतिघटकाड़कनियोजनम्—दीर्घप्रश्नः=  $10 \times 4 = 40$ , लघुप्रश्नौ  $6 \times 4 = 24$ ,

$8 \times 2 = 16$  अष्टौ वस्तुनिष्ठप्रश्नाः प्रतिघटकानुसारं प्रश्नद्वयम्।

## Choice Based Credit System Syllabus

2022-2023

M. A. I - SANSKRIT(CBCS)-वाङ्मय-पारद्गत-संस्कृतम्

Semester II .द्वितीयसत्रम्- (Compulsory)

Open Elective- MSNS2T04(B). चतुर्थप्रश्नपत्रम्

Paper-4: Modern Sanskrit Literature -Vindiyavasiniwijayam

आधुनिकसंस्कृतकाव्यम्.

पूणाड़का: - 100

लिखितपरीक्षाड़का: - 80

आवृत्तिरेकमूल्यमापनाड़का 20

### Modern Sanskrit Literature

**Paper objectives:** Modern Sanskrit literature is also the important part of this scenario. Vasant Tyambak Shevade was the popular poet of the modern Sanskrit literature.

**Learning Outcomes :** Student understand the what is an emphasis of Sanskrit literature in this age.

आधुनिक—संस्कृत—काव्यम्

- 1.आधुनिकसंस्कृतसाहित्यस्य परिचयः
- 2.कवि—वसंत —त्र्यंबक— षेवडेमहभागविरचितानां काव्यानां परिचय
- 3.विन्ध्यवासिनीविजयम्— सर्ग 1
- 4.विन्ध्यवासिनीविजयम्— सर्ग 2

उपरोक्तघटकाश्रित्यवस्तुनिष्ठप्रश्नाः

संदर्भग्रन्थाः Reference Books

- 1..संस्कृत साहित्यमे राष्ट्रीय भावना—हरिनारायण दीक्षित,देववाणी परिषद्, दिल्ली
- 2..विन्ध्यवासिनीविजयम— वसंत त्र्यंबक षेवडे विरचित— संपा डॉ. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी वौखम्बा,रामभारती प्रकाशन, वाराणसी
- 3..आधुनिक संस्कृत काव्यषास्त्र — डॉ. आनन्द कुमार श्रीवारतव, ईरटर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली

टिप्पणी :प्रश्नानां समाधानं स्वीकृतभाषया करणीयम्।

प्रतिघटकाड़कनियोजनम्—दीर्घप्रश्नः=  $10 \times 4 = 40$ , लघुप्रश्नौ  $6 \times 4 = 24$ ,

$8 \times 2 = 16$  अष्टौ वस्तुनिष्ठप्रश्ना : प्रतिघटकानुसारं प्रश्नद्वयम्